सेना भी बचाव कार्य में सक्रिय

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। पहाड़ी जनपदों में तेज भारी बारिश और बादल फटने से हुई तबाही से निपटने को सरकार ने सेना से मदद मांग है। हालांकि सेना ने सिविल प्रशासन की मदद को मांग से पहले ही अपनी पांच कंपनियां राहत एवं बचाव कार्य के लिए रवाना कर दी हैं, जबकि दस कंपनियां को अलर्ट रहने के आदेश दे दिए हैं।

सेना ने सोमवार शाम तक हर्षिल, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, जोशीमठ, गोविंदघाट, हनुमान चट्टी और धारचुला में राहत केंद्र स्थापित कर दिए हैं। इन केंद्रों में श्रद्धालुओं को चिकित्सा और भोजना की सुविधा दी जा रही है। मुख्य सचिव सुभाष कुमार ने बचाव कार्य में मदद के लिए सब एरिया के जीओसी मेजर जनरल एसके अग्रवाल से वार्ता की है। राज्य आपदा विभाग भी सब एरिया मुख्यालय से समन्वय बनाए है।

- आठ आपदा राहत केंद्र स्थापित, पांच कंपनियां तैनात
- सेना ने अलर्ट पर रखी दस कंपनियां

आठ मेडिकल कैंप भी खोले

सेना ने रुद्रप्रयाग, जोशीमठ और गोविंदघाट में दो-दो के साथ ही हनुमान चट्टी और धारचुला में एक-एक मेडिकल कैंप स्थापित किए हैं। सेना ने अपनी इमरजेंसी मेडिकल हेल्पलाइन सेवा भी शुरू कर दी है।

बारिश कम होने पर फंसे यात्रियों को निकालने के लिए सेना के हेलीकाप्टरों की मदद ली जा सकती है। सेना के अलावा भारत तिब्बत सीमा सुरक्षा बल की एक दर्जन कंपनियां उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ जिले में राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हैं।